(c) and (d) The Consul General of India, New York has intimated that against an expected participation of about 500 Indian companies, only 120 companies were able to participate. The Expo is reported to have been partially successful as majority of the participants from India were able to contact a number of Importers in New York and New Jersey areas of USA and were able to get a feel of the American market.

Trade relations with Uganda

1493. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to expand its trade relations with Uganda;

(b) if so, the efforts made in this direction;

(c) the areas identified for the expansion of Indo-Uganda trade; and

(d) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (d) It is the endeavour of the Govt, to expand trade relations with'African countries including Uganda having potential market by:—

(1) Exchange of Industry & Trade delegations;

(2) Holding of exclusive Indian Exhibitions/Fairs;

(3) Holding of periodic official level bilateral discussions to resolve bottlenecks;

(4) Holding of regional conference of Commercial Representative of Indian Missions to identify emerging opportunities.

As against the export turnover from India to Uganda of Rs. 91.67 crores in 1993-94, exports from India to Uganda during 1994-95 reached Rs.' 105.80 crores thus showing rising trend. It is primarily for the trade and business organisations of the two countries to select items for export and import from each other depending on the requirements and competitiveness of the goods. However, the main items of export from India are;

Export Items: Bicycles, Pneumatic, tyres, drugs* and pharmaceuticals, chemicals, engineering products, leather shoes, clothing material, lorries and trucks etc.

खाद्य तेलों का आयात

1494. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**

श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने खाद्य तेलों का आयात करने का नीतिगत फैलसा कर लिया है,

(ख) यदि हां, तो खाद्य तेलों के आयात करने का क्या कारण है तथा किन-किन देशों से, कितनी-कितनी मात्रा में और कितने किस्मों के खाद्य तेल का आयात किया जा रहा है,

(ग) खाद्य तेलों के आयात के लिए सरकार ने किस-किस एजेंसी को कितनी-कितनी मात्रा में ते आयात की स्वीकृति प्रदान की है तथा तेलों के आयात पर कितनी विदेशी मुद्रा खर्च होने का अनुमान है, और

(घ) भारत में ये तेल कब तक पहुंच जायेंगे और आयातित खाद्य तेल जन-साधारण को किस तरह/किस माध्यम से और किस दर पर उपलब्ध कराये जायेंगे ?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) 1.3.1995 से खाद्य तेलों (नारियल के तेल, ताड़ गिरी तेल, आर बी डी ताड़ तेल तथा आर बी डी ताड़ स्टीयरिन को छोड़कर) का आयात खुले सामान्य लाइसेन्स के तहत करने की अनुमति दे दी गई है।

(ख) खुले सामान्य लाइसेंस के तहत चुने खाद्य तेलों के आयात की अनुमति देने का निर्णय, मुख्य रूप से खाद्य तेलों की अनुमानित आवश्यकता तथा सभी देशीय स्रोतों से उनकी निवल उपलब्धता के बीच लगभग पांच से छः लाख मी0 टन के अन्तर को पूरा करने के लिए किया गया था। इस मंत्रालय के पास निजी अभिकरणों द्वारा विभिन्न पत्तनों पर आयात किए गए खाद्य तेलों की मात्रा तथा किस्म के बारे में सही-सही सूचना उपलब्ध नहीं है।